रेहान की लकी चार्म

यह किताब

....

की है

क्लेफ्ट अथवा कटे होंठ या/और तालू क्या है?

कुछ बच्चे क्लेफ्ट के साथ पैदा होते हैं। इसका मतलब है कि उनके होंठ या मुँह के ऊपरी हिस्से में एक दरार होती है। भारत में हर साल 35,000+ बच्चे क्लेफ्ट होंठ या तालू के साथ पैदा होते हैं।

क्लेफ्ट बच्चों को कैसे प्रभावित करता है?

अगर इसका इलाज न किया जाए, तो क्लेफ्ट होंठ या तालू वाले बच्चों को खाने, सांस लेने, बोलने और सुनने में समस्या हो सकती है। कभी-कभी अन्य बच्चे उनका मज़ाक उड़ाते हैं, और वे अक्सर अलग-थलग महसूस करते हैं।

क्या इसका इलाज संभव है?

जी हाँ! सर्जरी और संबंधित देखभाल से इसका इलाज किया जा सकता है, और बच्चे एक स्वस्थ और पूर्ण जीवन जी सकते हैं।

निःशुल्क क्लेफ्ट उपचार के लिए, कृपया कॉल करें:

1800 103 8301

कॉपीराइट © 2025 स्माइल ट्रेन।
सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को, किसी भी रूप या किसी भी माध्यम से, जिसमें फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक विधियाँ शामिल हैं, बिना स्माइल ट्रेन की पूर्व लिखित अनुमति के, पुन: उत्पन्न, वितरित, या प्रसारित नहीं किया जा सकता, सिवाय उन संक्षिप्त उद्धरणों के जो आलोचनात्मक समीक्षाओं और कुछ अन्य गैर-व्यावसायिक उपयोगों के लिए कॉपीराइट कानून द्वारा अनुमत हैं।
अनुमति के लिए, कृपया स्माइल ट्रेन से संपर्क करें:
प्लॉट नंबर 3, एलएससी, सेक्टर सी, पॉकेट 6/7
वसंत कुंज, नई दिल्ली 110070
लेखक: ममता नैनी
चित्रण: अनिरुद्ध और चारुलता
डिज़ाइन और लेआउट: विक्रम कुमार
पहली प्रकाशण: 2025
भारत में छापा गया

रेहान की लकी चार्म

लेखक: ममता नैनी
चित्रण: अनिरुद्ध और चारुलता

वो दिन कुछ खास था।

अंग्रेज़ी की क्लास में रेहान का दिल धक–धक कर रहा था।

उसने कॉपी खोली और उसकी आँखें चमक उठीं—20 में से 20! पहली बार!

“वाह! क्या बात है, रेहान!” मिनी मैम ने रेहान की पीठ थपथपाते हुए कहा।

“मेरी छोटी बहन है, मैम!” रेहान खुशी से बोला। “वो आज सुबह पैदा हुई है। वो मेरी लिए लकी है!”

लंच में रेहान ने टिफ़िन खोला।

“पराठे और आम का अचार! मेरे फेवरेट!” उसने खुश होकर कहा।

“क्या किस्मत है!” पार्थ ने अपने सूखे सैंडविच को देखकर कहा।

“यह सब मेरी छोटी बहन की वजह से है,” रेहान ने एक टुकड़ा मुँह में डालते हुए कहा। “उसके आते ही सब अच्छा हो रहा है!”

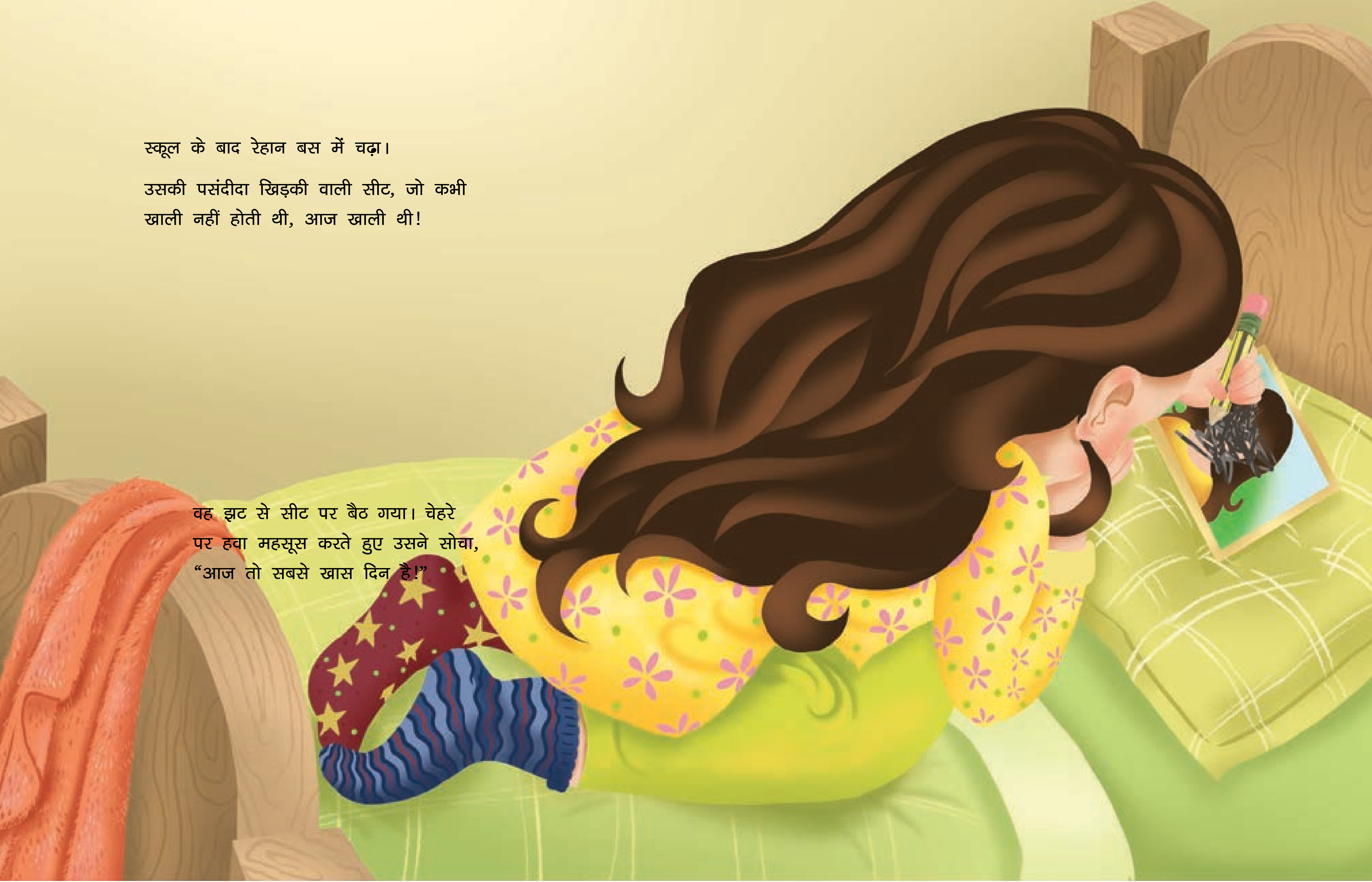

स्कूल के बाद रेहान बस में चढ़ा।

उसकी पसंदीदा खिड़की वाली सीट, जो कभी खाली नहीं होती थी, आज खाली थी!

वह झट से सीट पर बैठ गया। चेहरे पर हवा महसूस करते हुए उसने सोचा, “आज तो सबसे खास दिन है!”

घर लौटते हुए रेहान अपनी बहन के बारे में सोचता रहा . . . . उसकी खुशबू, उसकी प्यारी मुस्कान और वो छोटी–छोटी उंगलियाँ।

तभी बस झटके से रुकी।

रेहान कूदकर नीचे उतरा और घर की ओर भागा।

पर जैसे ही वो घर के पास पहुँचा, उसने फुसफुसाहटें सुनीं।

“कहते हैं उसके होंठ . . . ठीक नहीं है. . .” हिना खाला ने धीरे से कहा।

“हाँ, जैसे कोई कट हो . . .” सबा आपी ने जोड़ा। “लोग तो कहते हैं ये बुरी किस्मत की निशानी है!”

रेहान वहीं रुक गया।

“बुरी किस्मत?” उसने सोचा। “नहीं! मेरी बहन तो लकी है . . . ऐसा नहीं हो सकता!”

शाम को अब्बू उसे अस्पताल ले गए।

“आओ, अपनी बहन से मिलो!” अम्मी ने प्यार से कहा। उनकी गोद में एक नन्हा सा, हिलता-डुलता बच्चा था। “ये है ज़ोया, तुम्हारी छोटी बहन!”

रेहान थोड़ा आगे बढ़ा, फिर अचानक रुक गया।

उसकी बहन के होंठ फटे कागज़ के किनारे जैसे दिख रहे थे! “ये तो वैसी नहीं है जैसी मैंने सोची थी,” रेहान ने मन ही मन कहा।

“अम्मी, उसके होंठ ऐसे क्यों हैं?” रेहान ने धीमे से पूछा।

अम्मी ने उसे गले लगा लिया और कहा, “कुछ बच्चे कटे होंठ के साथ पैदा होते हैं, इसे ‘क्लेफ़्ट’ कहते हैं। जब वो थोड़ी बड़ी होगी, ऑपरेशन से ठीक हो जाएगी। लेकिन वो बहुत प्यारी है, है ना?”

रेहान कुछ नहीं बोला। बस चुपचाप दूसरी तरफ देखता रहा।

कुछ दिन बाद अम्मी और ज़ोया घर आ गए।

लेकिन रेहान चाहता था कि काश वो उसे वापस भेज सकते। अब उसकी बहन उसे लकी नहीं लग रही थी।

दिन हफ़्तों में बदल गए।

रेहान ने अपने दोस्तों से ज़ोया के बारे में एक भी बात नहीं की।

जब अम्मी पूछतीं, “ज़ोया को गोद लोगे?” तो रेहान चुपचाप सिर हिलाकर मना कर देता।

एक शाम, रेहान ज़मीन पर बैठा ब्लॉक्स से इमारत बना रहा था।

एक-एक टुकड़ा जोड़कर उसने आख़िरी ब्लॉक रखा ही था कि . . .

धड़ाम! पूरी इमारत ढह गई।

उसने लंबी साँस ली और थककर बैठ गया।

तभी . . . गुँ . . . गुँ . . .

रेहान ने देखा कि ज़ोया उसे देख रही थी। ज़ोया की आँखें चमक रही थीं और उसके छोटे-छोटे हाथ हवा में लहरा रहे थे।

“तुम्हें हँसी आ रही है?” रेहान ने पूछा।

ज़ोया फिर गुँगुँ करने लगी।

इतने दिनों में पहली बार रेहान के मन में ज़ोया के लिए एक नर्म-सी भावना जागी।

एक रात तेज़ आँधी चली।

रेहान ने कंबल लपेट लिया।

ज़ोया के पालने से सिसकने की आवाज़ आई।

वो उठा, धीरे से पालने के पास गया।

“डरो मत,” रेहान फुसफुसाया। “मैं यहीं हूँ।”

ज़ोया चुप हो गई।

वो वहीं खड़ा रहा और बस ज़ोया की साँसों की आवाज़ सुनता रहा।

फिर एक दिन, रेहान का पार्थ से झगड़ा हो गया।

वो चुपचाप घर आया, एकदम बुरे मूड में!

ज़ोया ने मुँह बनाकर अजीब-सी आवाज़ निकाली।

रेहान हँस पड़ा।

धीरे-धीरे, रेहान अपनी बहन के साथ वक्त बिताने लगा।

उसकी प्यारी आवाज़ें . . . उसकी सिकुड़ी हुई नाक . . . और वो नन्ही उंगलियाँ, जो उसकी उंगलियों में समा जाती थीं।

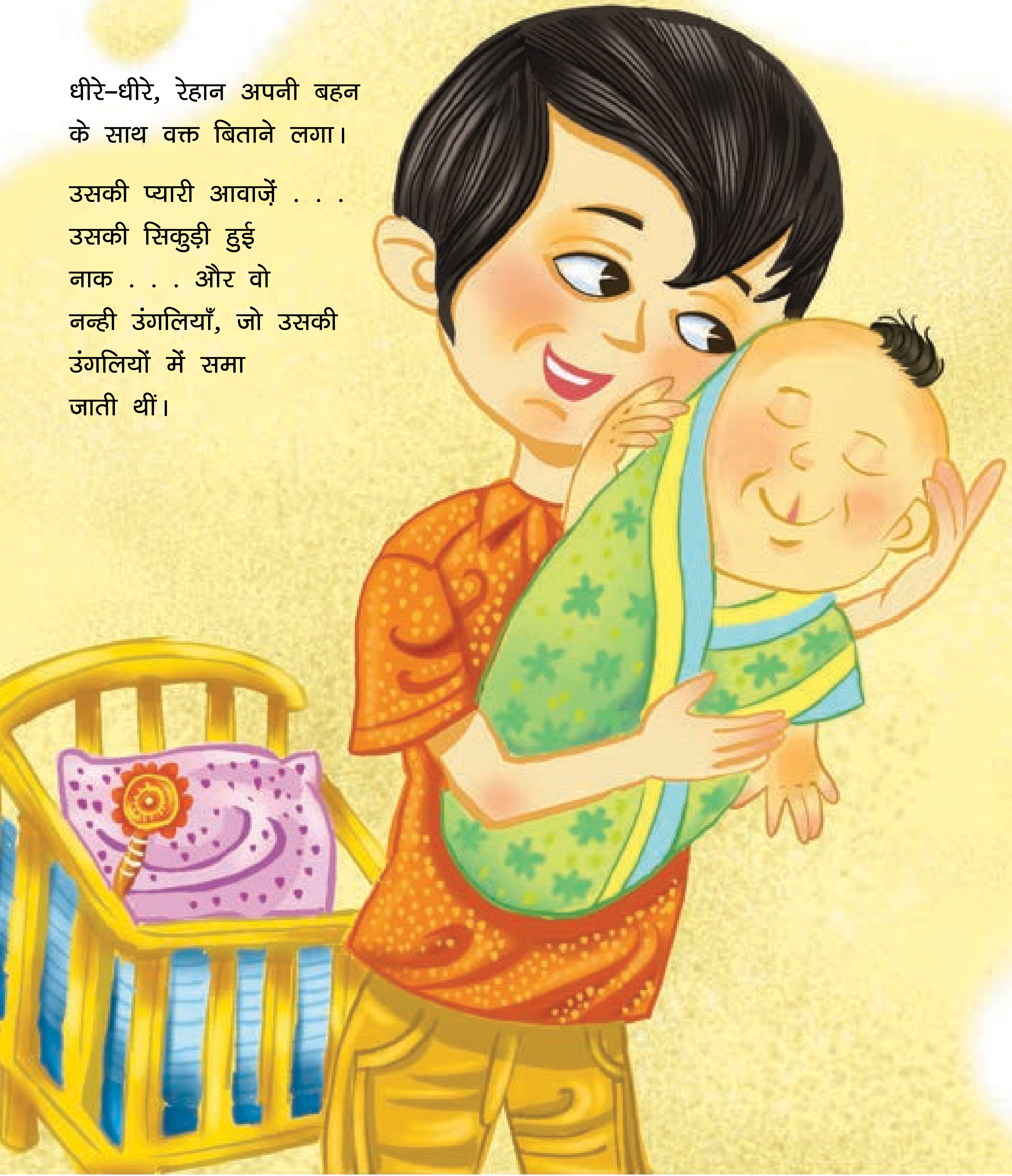

रेहान ने महसूस किया, "ज़ोया की वजह से अच्छी चीज़ें नहीं हो रही थीं, बल्कि वो खुद ही सबसे अच्छी चीज़ थी।"

आज का दिन कुछ खास था!

रेहान ज़ोया की किलकारियों से जागा।

ज़ोया उसकी तरफ देख मुस्कुरा रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे पूरा आसमान उसकी मुस्कान में समा गया हो।

रेहान ने उसे अपनी बाहों में लिया।

"तूम उतनी लकी नहीं हो जितनी मैंने सोचा था," उसने धीमे से कहा, "तुम तो उससे भी ज़्यादा लकी हो!"

क्लेफ़्ट से जुड़ी 5 गलत धारणाएं (जो सच नहीं हैं!)

गलत धारणा 1: क्लेफ़्ट माता-पिता की वजह से होता है।

सच: कोई नहीं जानता कि क्लेफ़्ट क्यों होता है। ज़्यादातर विशेषज्ञ मानते हैं कि इसके कई कारण हो सकते हैं—जैसे जेनेटिक और वातावरण से जुड़े कारण।

गलत धारणा 2: क्लेफ़्ट केवल दिखावट की बात है।

सच: क्लेफ़्ट होने पर बच्चे को खाना खाने, बोलने, साँस लेने या सुनने में भी परेशानी हो सकती है। यह सिर्फ दिखावट की बात नहीं है।

गलत धारणा 3: क्लेफ़्ट फैलता है।

सच: क्लेफ़्ट कोई संक्रामक (छूने से फैलने वाली) चीज़ नहीं है। जिन बच्चों को क्लेफ़्ट होता है, वे भी बाकी बच्चों की तरह खेल सकते हैं और स्कूल जा सकते हैं।

गलत धारणा 4: क्लेफ़्ट जादू-टोने या श्राप से होता है।

सच: क्लेफ़्ट कोई श्राप नहीं है। डॉक्टर इसका इलाज कर सकते हैं और मदद उपलब्ध है।

गलत धारणा 5: सिर्फ इंसानों को ही क्लेफ़्ट होता है।

सच: कुछ जानवरों जैसे कुत्ते और बिल्ली के बच्चों को भी क्लेफ़्ट हो सकता है।

मेरी भावनाओं का नक्शा

कहानी में रेहान कई तरह की भावनाएं महसूस करता है—उत्साह, उलझन उदासी और फिर ढेर सारा प्यार। क्या तुम्हें कभी ऐसा महसूस हुआ है? ऐसे चेहरे बनाओ जो इन भावनाओं को दिखाएं—उत्साहित चेहरा, उलझन वाला चेहरा, उदास चेहरा और खुश चेहरा।

अगर चाहो तो तुम इनमें कुछ भाषण गुब्बारे (स्पीच बैलून) भी जोड़ सकते हो!

शिक्षकों और अभिभावकों के लिए नोट्स

छोटे बच्चों को क्लेफ्ट होंठ और तालू समझाने के तरीके:

1. **सरल शब्दों से शुरुआत करें:** क्लेफ्ट को समझाने के लिए आसान भाषा का उपयोग करें। उदाहरण के लिए: "कुछ बच्चे कटे होंठ और/या कटे तालू के साथ पैदा होते हैं। क्लेफ्ट का मतलब होंठ या मुँह के ऊपरी हिस्से में एक गैप (दरार) होता है।"
2. **दृश्य सामग्री का उपयोग करें:** बच्चों को समझाने के लिए क्लेफ्ट होंठ और तालू के विभिन्न प्रकारों की तस्वीरें और चित्र दिखाएं।
3. **चुनौतियों के बारे में समझाएं:** बच्चों को यह बताएं कि क्लेफ्ट वाले बच्चों को खाने, सांस लेने, और बोलने में कठिनाई हो सकती है।
4. **सर्जरी के बारे में बताएं:** समझाएं कि डॉक्टर सर्जरी से क्लेफ्ट को ठीक कर सकते हैं। उदाहरण के लिए: "क्लेफ्ट को सर्जरी से ठीक किया जा सकता है, जिससे व्यक्ति को बोलने और खाने में आसानी होती है।"
5. **अंतर को समझाएं:** बच्चों को यह समझाने में मदद करें कि हर व्यक्ति अनोखा होता है। उदाहरण के लिए: "कुछ लोग चश्मा पहनते हैं, कुछ लंबे होते हैं, और कुछ के होंठ कटे होते हैं, लेकिन हम सब अपने आप में खास हैं!"
6. **बच्चों को नेकदिल बनने के लिए प्रोत्साहित करें:** बच्चों को सहानुभूति और समर्थन की शिक्षा दें। उदाहरण के लिए: "अगर किसी को क्लेफ्ट की वजह से बोलने या खाने में कठिनाई हो, तो धैर्य रखें।"
7. **इंटरैक्टिव चर्चा:** बच्चों को सवाल पूछने का मौका दें, जैसे "क्या फिर से गैप आ जाएगा? इसे कैसे ठीक किया जाता है?" और उन्हें आश्वासन के साथ उत्तर दें।
8. **समावेशिता को बढ़ावा दें:** बच्चों को दिखाएं कि क्लेफ्ट होने से किसी को खेल, सीखने, या मज़े करने से नहीं रोका जा सकता। उदाहरण के लिए: "क्लेफ्ट वाले लोग भी बाकी सभी की तरह खेल सकते हैं, सीख सकते हैं और मज़े कर सकते हैं!"
9. **कहानी सुनाना:** बच्चों को उन सफल लोगों की कहानियाँ सुनाएँ जिनके क्लेफ्ट या अन्य अलगताएँ हैं, और उन्हें आत्मविश्वास के साथ प्रेरित करें।

बच्चों में दया, सम्मान और सभी के प्रति समझ विकसित करें, चाहे उनकी शारीरिक बनावट जैसी भी हो।

ममता नैनी नई दिल्ली में रहने वाली एक लेखिका हैं। उन्होंने बच्चों के लिए पैंतीस से अधिक पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें से कई को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं, जैसे वैली ऑफ वर्ड्स अवॉर्ड, फिक्की पब्लिशिंग अवॉर्ड, पब्लिशिंग नेक्स्ट अवार्ड, द हिंदू यंग वर्ल्ड-गुडबुक्स अवॉर्ड और पीक-ए-बुक चिल्ड्रन चॉइस अवॉर्ड। ममता बच्चों की असीम कल्पना से बेहद प्रेरित हैं और समावेशी और सशक्त कहानियाँ लिखती हैं।

दिल्ली स्कूल ऑफ आर्ट से स्नातकोत्तर, **अनिरुद्ध मुखर्जी** लगातार डूडल बनाते हैं, नदियों के किनारों की फोटोग्राफी करते हैं और अक्सर बच्चों की पुस्तकों के ढेर के पास देखे जाते हैं। उन्होंने बच्चों के लिए कई पुस्तकों का चित्रण किया है। **चारुलता मुखर्जी** नई दिल्ली में रहने वाली एक कलाकार हैं। उन्हें बच्चों के लिए चित्र बनाना बेहद पसंद है, क्योंकि उनका मानना है कि बच्चे उनकी कला में वह देख सकते हैं, जो अधिकतर बड़े नहीं देख पाते।

स्माइल ट्रेन के बारे में

SmileTrain

स्माइल ट्रेन दुनिया की सबसे बड़ी क्लेफ्ट चैरिटी है। सन् 2000 से, यह भारत में डॉक्टरों और अस्पतालों के साथ मिलकर ज़रूरतमंद बच्चों को मुफ्त क्लेफ्ट उपचार प्रदान कर रही है। अब तक, स्माइल ट्रेन ने भारत भर में 120 से अधिक भागीदार अस्पतालों के माध्यम से 750,000 से अधिक मुफ्त सर्जरी कराई है, जिससे बच्चों को स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने में मदद मिली है।

आज का दिन रेहान के लिए बहुत लकी है . . . उसे पहली बार टेस्ट में पूरे नंबर मिले, टिफ़िन में उसका पसंदीदा नाश्ता था और स्कूल बस में उसे सबसे अच्छी सीट भी मिल गई। और उसे अच्छी तरह पता है क्यों — उसकी छोटी बहन आज सुबह ही पैदा हुई है। वही तो है उसकी लकी चार्म! लेकिन जब रेहान पहली बार उसे देखता है, तो वह वैसी नहीं दिखती जैसी उसने कल्पना की थी। क्या वह फिर भी उसकी लकी चार्म हो सकती है? आइए जानें नए रिश्तों और भाई-बहन के प्यार की इस अनूठी कहानी में!